डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 10 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

मानसून की हो गई विदाई, नहीं होगी बारिश

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में मानसून की विदाई हो चुकी है, अब बारिश के आसार नहीं हैं। हालांकि तीन सिस्टम की एक्टिविटी से प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश और बादल वाला मौसम रह सकता है। जिले में अधिकतम तापमान 32 डिग्री व न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास बना हुआ है। आगामी 20 अक्टूबर से रात के तापमान में गिरावट आने लगेगी। हालांकि दिन के तापमान में ज्यादा गिरावट नही आएगी। नवम्बर के पहले सप्ताह में ठंड बढ़ना शुरु होगी। अंचल में गुरुवार को तेज धूप के साथ मौसम साफ बना रहा। अगले कुछ दिनों मौसम ऐसा ही बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर तीव्र प्रेशर एरिया (डिप्रेशन) आगे बढ़ रहा है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में बूंदाबांदी होगी और बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के अनुसार 20 अक्टूबर से प्रदेश में ठंडक बढ़ने का अनुमान है। रात में पारा 20 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंच सकता है। हालांकि दिन का तापमान 30-32 डिग्री के बीच ही रहेगा।

अरे...यह तो शर्म की बात..!

इंस्पायर अवार्ड ने दिखाया आईना, मंदसौर जिला 42वें नंबर पर पहुंचा

✻ पड़ोसी रतलाम दूसरे नंबर पर, नीमच 13वें नंबर पर ✻ जिला शिक्षाधिकारी बोले-जिले के स्थान की जानकारी मुझे नहीं

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। इंस्पायर अवार्ड ने एक बार फिर जिले में शैक्षणिक व्यवस्था का आईना दिखा दिया है। बच्चों में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने के लिए इंस्पायर अवॉर्ड का आयोजन होता है। इसमें जिले के जिम्मेदारों ने कितनी मेहनत की, यह परिणाम बता रहा है। मंदसौर जिला 42वें स्थान पर आया है। जबकि, पड़ोसी रतलाम जिला, भोपाल और इंदौर जैसे जिलों को पछाड़कर दूसरे नंबर पर रहा। वहीं नीमच की स्थिति भी ठीक ठाक रही। नीमच 13वें नंबर पर आया है। परिणाम से साफ जाहिर होता है कि कहीं न कहीं बच्चों में वैज्ञानिक सोच पैदा करने में जिम्मेदार असफल साबित हो रहे हैं। जिले से 517 आईडिया इंस्पायर अवार्ड के लिए गए थे। इस मामले में जिला शिक्षाधिकारी को फिलहाल जानकारी नहीं है।

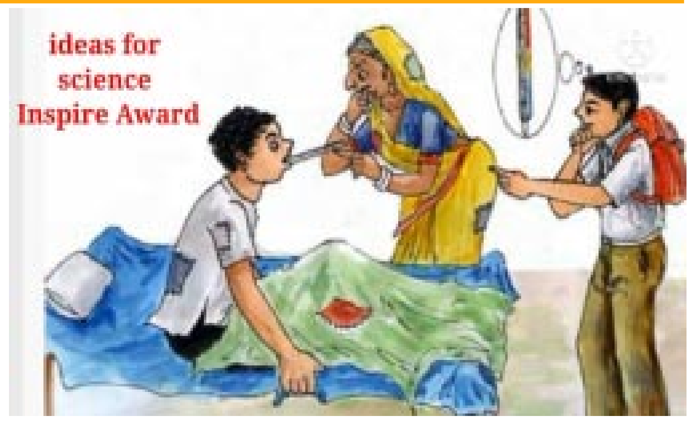

बारहवीं तक विज्ञान ही नहीं समझ पा रहे विद्यार्थी...

सरकारी स्कूलों में बारहवीं तक विज्ञान का अर्थ ही विद्यार्थी नहीं समझ पा रहे हैं। दसवीं तक जहां विज्ञान के प्रति बच्चों में रुचि उत्पन्न करने के लिए इंस्पायर अवार्ड जैसे आयोजन किए जाते हैं। नौवीं बाद बच्चे प्रयोगशाला में कदम रखते हैं। लेकिनद्ध सरकारी स्कूलों के बच्चे प्रयोगशाला से ही अनभिज्ञ है। कई सरकारी स्कूलों में प्रयोगशाला नहीं है तो कई जगह प्रयोगशाला के नाम पर औपचारिकता। यही स्थिति विज्ञान के शिक्षकों की है। कई स्कूलों में फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ्स के शिक्षक ही नहीं है।

केमिकल के लिए ना तो बेसिन और ना ही गेस सिस्टम...

प्रयोगशालाओं के लिए मानक तय है। लेकिन, मानकों के अनुसार प्रयोगशालाएं नहीं बनी हुई है। केमेस्ट्री की लेब में ना तो बेसिन बना रखा है और ना ही गेस की सुविधा दे रखी है। कई स्कूलों में यह सुविधाएं होने के बाद भी वहां की साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अधिकांश स्कूलों में प्रयोग ही शुरु नहीं हो पाए है।

यह है इंस्पायर अवॉर्ड योजना...

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से इंस्पायर अवॉर्ड मानक योजना के तहत ऑनलाइन साइंस के आइडिया अपलोड कराए जाते है। इंस्पायर अवॉर्ड मानक विद्यार्थियों के नवाचारी प्रोत्साहन के लिए एक अभिनव योजना है। इसके लिए कक्षा 6 से 10वीं के विद्यार्थियों को मौका दिया जाता है। इंस्पायर अवॉर्ड योजना में विद्यार्थी कोई भी नया और रचनात्मक आइडिया भेज सकते हैं। चयनित आइडिया वाले विद्यार्थी को मॉडल और अन्य वैज्ञानिक अविष्कारों के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। सरकार की ओर से उसके खाते में 10 हजार रुपए नए माडल बनाने के लिए खाते में जमा कराए जाते है। चयनित साइंस मॉडल को राज्य स्तरीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर की साइंस प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया जाता है।

इनका कहना...

इस बार पांच सौ से ज्यादा आईडिया गए है। लेकिन, मंदसौर का स्थान कौन सा बना है, इसकी जानकारी नहीं है।

लोकेंद्र डाबी, प्रभारी शिक्षाधिकारी मंदसौर

इस बार 517 आईडिया भेजे गए थे। अपना जिला टॉप टेन में नहीं है। जिला पिछे हैं। जिला 42वें नंबर पर आया है।

अश्विन चौबे, इंस्पायर अवॉर्ड प्रभारी मंदसौर

मामला भोपाल ड्रग्स फैक्टरी कांड में मंदसौर के कनेक्शन का, प्रेमसुख को एनसीबी भोपाल ले गई...

बांग्लादेश तक होती थी ड्रग्स की सप्लाय

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भोपाल ड्रग्स फैक्टरी कांड में गोली मारकर घायल हुए प्रेमसुख पाटीदार और शोएब लाला पर एजेंसियो की नजर टिकी हुई है। मंदसौर बड़े अस्पताल में भर्ती प्रेमसुख से गुरुवार को भी एनसीबी और पुलिस के अधिकारियो ने पूछताछ की। उसके बयान से यह खुलासा भी हुआ है कि ड्रग्स की सप्लाय बांग्लादेश तक होती थी। बांग्लादेशी तस्कर प्रेमसुख से मिलकर भी गया था। उसने यह भी बताया है कि वह डोडाचूरा की तस्करी भी कर चुका है। गुरुवार को एनसीबी की टीम प्रेमसुख को मंदसौर के बड़े अस्पताल से डिस्चार्ज करवाकर अपने साथ भोपाल ले गई है। जहां उसका उपचार भी होगा और पूछताछ भी चलती रहेगी।

पुलिस को जानकारी मिली है कि प्रेमसुख लंबे समय से अफीम व डोडाचूरा की तस्करी में सक्रिय था। किन्तु, स्थानीय पुलिसकर्मियों से गहरे संपर्क के कारण पकड़ में आने से बचता रहा। वह पश्चिम बंगाल से लगी बांग्लादेश की सीमा पर वहां के तस्कर से भी मिला था। अभी तक की जांच में पता चला है कि बांग्लादेश का तस्कर मंदसौर जिले में आकर प्रेमसुख से मिला भी था। पुलिस लगातार प्रेमसुख का रिकॉर्ड जुटा रही है। पता लगा है कि गांव में वह स्वयं को आरएमपी डॉक्टर बताता था। बता दें कि एनसीबी और गुजरात एटीएस ने बीती 06 अक्टूबर को भोपाल के औद्योगिक क्षेत्र बगरोदा की एक बंद पड़ी फैक्टरी से बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स और उसे बनाने का कच्चा माल पकड़ा था। इस मामले में नासिक के सान्याल बाने, भोपाल के अमित चतुर्वेदी और मंदसौर के हरीश आंजना को गिरफ्तार किया गया था। हरीश आंजना ने प्रेमसुख पाटीदार की संलिप्तता का खुलासा किया था। इसके बाद प्रेमसुख ने आत्मसमर्पण करने से पहले थाने पहुंचकर पूछताछ से बचने के लिए अपनी जांघ में गोली मार ली थी।

सूत्रो के अनुसार पूछताछ में प्रेमसुख ने हरीश आंजना को ड्रग्स का निर्माता बताया और तीन नए नाम भी बताए। इस मामले में पहले ही शोएब लाला का नाम उजागर कर दिया है। उसे पुलिस और एजेंसिया सरगरमी से तलाश रही है। ती नए नाम सामने आने के बाद इस मामले में 17 नाम सामने आ चुके हैं। इनमें अधिकतर संदेहियों को राउंडअप कर जांच एजेंसी पूछताछ कर चुकी है।

शोएब लाला के साथ अब नए संदिग्धों की तलाश में जांच एजेंसी लग गई है। प्रेमसुख ने खुलासा किया कि एक बार भोपाल फैक्ट्री से 1 क्विंटल 30 किलो एमडी ड्रग्स डिलीवर हुआ था, जिसमें से 60 किलो हरीश ले गया और बाकी 70 किलो खुद ने खपाया। ये बड़ी खेप ट्रक से सीहोर आई थी और हाइवे से सप्लाई कर दी थी। प्रति किलो एमडी का भाव 8 लाख 75 हजार से 9 लाख 50 हजार रुपए तक रहा। उसने ये भी कबूला कि पहले वो डोडाचूरा सप्लाई करता था। इसके बाद पिछले 3 माह से एमडी ड्रग्स के नेटवर्क में शामिल हुआ।

अपने वाहन से करते थे तस्करी...

नशे का कारोबार करने वाले यह तस्कर अपने ही वाहन से दूसरे राज्यों तक ड्रग्स की आपूर्ति करते थे। उन्होंने एक बार भी ड्रग्स की सप्लाय के लिए ट्रासंपोर्ट, ट्रेन या अन्य की किसी सेवा का उपयोग नहीं किया था। यह जानकारी मामले में गिरफ्तार आरोपितों से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा गई पूछताछ में सामने आई है। दरअसल, वह अपने वाहन से एमडी ड्रग्स लेकर जाना सुरक्षित मानते थे।

आरटीओ में ठगा रहे आमजन, बगैर कार्ड के वसूल रहे रुपए

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित प्रदेश में 30 सितंबर से ड्राइविंग लाइसेंस और व्हीकल रजिस्ट्रेशन कार्ड बनना बंद हो गए हैं। बावजूद इसके कार्ड के नाम पर लोगों से 200 रुपए फीस ली जा रही है। लोग बिना कार्ड के फीस लेने का विरोध करने लगे हैं। हालांकि, परिवहन विभाग अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं ले पाया है। विभाग की ओर से इस संबंध में सरकार को पत्र लिखकर पूछा गया है कि कार्ड के एवज में लगने वाली फीस लेना जारी रखना है या फिर बंद कर दिया जाए। अब विभाग को सरकार के जवाब का इंतजार है। इसके आधार पर ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो विभाग फीस लेने पर रोक लगाने की तैयारी में है। इस पर हफ्तेभर में निर्णय ले लिया जाएगा।

कार्ड की जगह दी जा रही पीडीएफ...

बता दें कि प्रदेश के सभी आरटीओ कार्यालयों में कार्ड प्रिंटिंग का काम स्मार्ट चिप कंपनी की ओर से किया जा रहा था। लेकिन, 88 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं होने के चलते कंपनी ने 30 सितंबर से काम करना बंद कर दिया है। ऐसे में अब आरटीओ में कार्ड नहीं बनाए जा रहे हैं।

बता दें कि राजस्थान समेत कुछ और राज्यों में कार्ड प्रिंट कर के देने की व्यवस्था को स्थायी तौर पर खत्म किया जा चुका है। यहां संबंधित को पोर्टल पर कार्ड की पीडीएफ ही उपलब्ध कराई जाती है। आवेदक इसे डाउनलोड कर इसका इस्तेमाल करते हैं। वर्तमान में राजस्थान मॉडल के आधार पर ही पूरे प्रदेश में पीडीएफ उपलब्ध कराई जा रही है।

इनका कहना...

कार्ड नहीं बन रहे हैं, लेकिन कार्ड का पैसा लिया जा रहा है। पैसा लेना है या नहीं, इस संबंध में शासन को पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा गया है। जो भी आदेश मिलेंगे, उसी आधार पर आगे कार्यवाही की जाएगी।

उमेश जोगा, डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, परिवहन विभाग भोपाल

नौकर ने ही कर दी अधेड़ मालिक की हत्या?

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संजीत रोड़ स्थित सिंदपन सांवरा माता के पास एक अधेड़ की लाश मिली है। यहां हत्या की आशंका जताई जा रही है। गुमटी पर काम करने वाले एक युवक को संदिग्ध भी माना जा रहा है। फिलहाल अधिकारिक रूप से पुलिस ने मामले में खुलासा नहीं किया है।

मिली जानकारी के अनुसर मांगीलाल मोंगिया अपनी गुमटी के बाहर निगरानी के लिए सो रहा था। सुबह उसका रक्त रंजित शव मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरु की। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। यहां गुमटी पर काम करने वाले युवक राजू उर्फ सुखराम पिता रामलाल भील निवासी टकरावद को संदिग्ध भी माना जा रहा है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फिलहाल पुलिस ने शव को पीएम के लिए बड़े अस्पताल पहुंचाया। जहां पोस्टमार्टम कर शव परिजनो के सुपुर्द किया गया। मामले में जांच की जा रही है। नौकर दो दिन पहले ही काम पर लगा था।

नहाने गया युवक नदी में डूबा, मौत

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भावगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के ग्राम पीपलखेड़ी में बुधवार को तालाब में नहाने गए एक युवक की डूबने से मौत हो गईं। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ मंदसौर टीम ने गुरुवार सुबह शव की तलाश कर बाहर निकाला।

बताया गया है कि बलराम अपने दो अन्य दोस्तो के साथ बुधवार को नदी में नहाने गया था। नहाते समय वह डूब गया। इससे उसके दोस्त घबरा गए। वह बुधवार को जब घर नहीं पहुंचा तो उसकी तलाश शुरु की। पता चला कि वह नदी में डूब गया है। सूचना मिलने पर भागवढ़ थाने की टीम और एसडीआरएफ की टीम ने नदी में सर्चिंग कर शव का रेस्क्यू किया। मृतक का नाम हेमंत उर्फ बलराम पिता भेरुलाल कुमावत उम्र 20 वर्ष निवासी कटलार बताया गया है। एसडीआरएफ टीम में प्रभारी प्लाटून कमांडर रफी उल्लाह काजी एवं टीम के जवान अनिल पाटीदार, शिवपाल सिंह, महेश कमलवा, कृष्णपाल सिंह, सुनील प्रजापत, पवन धाकड़ का योगदान रहा। मामले में पुलिस न शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरु की है।

विचार-मंथन

आस्था के नाम हर बार हिंसा चिंताजनक

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में भड़की हिंसा ने एक बार फिर कुछ सवाल गाढ़े कर दिए हैं। मूर्ति विसर्जन के लिए निकली शोभायात्रा पर पथराव और फिर उपद्रवी संघर्ष में गोली लगने से एक युवक की मौत के बाद वहां सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि उपद्रवी भीड़ पर काबू पा लिया और आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। मगर इस घटना से पूरे प्रदेश और देश के दूसरे हिस्सों में जो सांप्रदायिक विद्वेष की जड़ें थोड़ी और गहरे धंस गई हैं, उसे उखाड़ना इतना आसान नहीं होगा। ऐसी हर घटना के बाद यह सवाल उठता है कि आखिर हमारा समाज धार्मिक रूप से इतना असहिष्णु कैसे और क्यों हो गया है। क्यों कुछ लोगों को हिंसा में आनंद मिलने लगा है। बहराइच की घटना न तो अकेली है और न नई। अब तो शायद ही कोई पर्व-त्योहार ऐसा गुजरता है, जो बिना हिंसा के संपन्न हो जाता हो। यह विचित्र संयोग है कि अक्सर शोभायात्राओं पर पथराव की घटना हो जाती है। उन सबकी प्रकृति लगभग एक होती है। पहले तेज ध्वनि में संगीत बजाने पर एतराज जताया जाता है, फिर पत्थर फेंका जाता है और संघर्ष होता है। इसमें कोई न कोई मारा जाता और कुछ घायल हो जाते हैं। फिर प्रशासन सख्ती दिखाता है। कायदे से धार्मिक आयोजनों, शोभायात्राओं के बारे में पुलिस को सूचित करना जरूरी होता है और आयोजन की रूपरेखा बतानी और उसके लिए अनुमति लेनी होती है। मगर कम ही आयोजक इस कायदे का पालन करते देखे जाते हैं। जो पालन करते भी हैं, वे अक्सर मनमानी करते पाए जाते हैं। हनुमान जयंती पर दिल्ली में निकली शोभायात्रा के दौरान या फिर हरियाणा के नूंह में कलशयात्रा के समय भड़की हिंसा के पीछे भी लगभग यही कारण बताए गए थे। करीब साल भर पहले मध्यप्रदेश और राजस्थान के कुछ इलाकों में भी ऐसे ही उपद्रव देखे गए। मूर्ति विसर्जन, शोभायात्रा जैसे आयोजन लोगों की आस्था से जुड़े विषय हैं। दूसरी आस्था के लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे दूसरे धर्मों के लोगों की आस्था का भी सम्मान करें, मगर इसका अभाव लगातार बढ़ता देखा जा रहा है। फिर, सवाल यह भी है कि आस्था का यह अर्थ कबसे हो गया कि दूसरों की सुविधा-असुविधा का खयाल किए बगैर उसका प्रदर्शन किया जाए। बहराइच में अगर मामला तेज आवाज में संगीत बजाने से बिगड़ा, तो सवाल यह भी है कि वहां अगर धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने पर रोक है, तो फिर शोभायात्रा में इस बात का ध्यान रखना क्यों जरूरी नहीं समझा जाता। इस हकीकत से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि पिछले कुछ वर्षों से जब आस्था का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशें तेज हुई हैं, तबसे उपद्रव और हिंसक संघर्ष अधिक बढ़े हैं। जब खुद राजनेता और धार्मिक नेता सार्वजनिक मंचों से लोगों को धार्मिक आधार पर एकजुट होने और हिंसा करने को उकसाते देखे-सुने जाते हैं, तो आम लोगों पर उसका प्रभाव नकारा नहीं जा सकता। उत्तर प्रदेश सरकार कानून-व्यवस्था के मामले में सख्त रुख अपनाने का दावा करती है, मगर पूछा जा सकता है कि आखिर ऐसा क्यों है कि वहां जब-तब इस तरह का सांप्रदायिक तनाव उभर आता है। बेहतर कानून-व्यवस्था की कसौटी राज्य में आपराधिक घटनाओं पर नकेल कसने के अलावा, धार्मिक और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना भी होती है।

हरियाणा में जीती बाजी हार गई कांग्रेस...

सुरेश हिंदुस्तानी

हरियाणा में भाजपा की पुनः सरकार बनने का रास्ता अब साफ हो गया है, लेकिन कई मायनों में इसे भाजपा की सफलता नहीं माना जा सकता। चुनाव से पूर्व के राजनीतिक हालात भाजपा के पक्ष में कभी भी दिखाई नहीं दिए और न ही भाजपा सरकार के कामकाज से जनता प्रसन्न ही थी। अभी हाल ही में देश के दो महत्वपूर्ण राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद अब तस्वीर स्पष्ट हो चुकी है। जहां हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने अप्रत्याशित रूप से लगातार तीसरी बार सत्ता प्राप्त की है, वहीं धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में हुए चुनाव में भाजपा को खासी सफलता नहीं मिली। जम्मू कश्मीर में भाजपा को इस बार कुछ अच्छा होने की प्रत्याशा थी, लेकिन वहां धारा 370 की प्रबल समर्थक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है। इसका आशय यही निकलता है कि जम्मू कश्मीर के घाटी वाले हिस्से में मिला जुला जनादेश मिला है। वहीं हरियाणा की बात की जाए तो इस प्रदेश में कांग्रेस की असफलता का एक बड़ा कारण गठबंधन नहीं होना ही माना जा रहा है। हरियाणा में कांग्रेस को यह गुमान हो गया था कि वह अपने दम पर सरकार बनाने में सफलता हासिल कर लेगी, लेकिन कांग्रेस को एक बार फिर निराश होना पड़ा। कांग्रेस की इस पराजय ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल भी

उठाए हैं। यह सत्य है कि अगर हरियाणा में भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों में समन्वय हो जाता तो शायद परिणाम भिन्न हो सकते थे, लेकिन कांग्रेस ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों की अनसुनी करके अपनी पराजय का मार्ग तैयार कर लिया। अब कांग्रेस इस हार को प्रादेशिक नेतृत्व के सिर मढ़कर केंद्रीय नेतृत्व को बचाने की जुगत में लग गई है। जबकि पूरे चुनाव में केंद्रीय नेतृत्व की अप्रत्यक्ष कमान संभाल रहे राहुल गांधी बेहद सक्रिय दिखाई दिए। सभी जानते हैं कि कांग्रेस जीत के प्रति पूरी तरह से आशान्वित थी। यहां तक कि कांग्रेस ने जीत के जुलूस की भी व्यापक तैयारी की थी। हालांकि हरियाणा में कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। क्योंकि वह सत्ता में नहीं थी। हरियाणा कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व भी इस बात को जानता था कि अगर उसको सत्ता मिल जाती तो इसका श्रेय प्रादेशिक नेताओं को कभी नहीं मिलता, लेकिन हार का हथौड़ा उनके सिर पर ही फोड़ा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि कांग्रेस के अंदर ही प्रादेशिक नेताओं में गंभीर जोर आजमाइश चल रही थी, इसका कारण सत्ता प्राप्ति के मुख्यमंत्री पद की चाहत ही था। लेकिन इस राजनीतिक अस्तित्व को दिखाने और सामने वाले के मिटाने के खेल ने ही कांग्रेस को जमीन पर लाकर खड़ा कर दिया है। कांग्रेस हरियाणा में लम्बे समय से सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष कर रही थी। इसका एक कारण यह भी माना जा सकता है कि कांग्रेस के नेताओं ने लम्बे समय तक शासन का सुख भोगा है, इसलिए उनको सत्ता के सुख की आदत सी हो गई है। इस बार हरियाणा में प्रदेश के प्रमुख नेताओं के बीच अलग से एक राजनीतिक युद्ध जैसा दिखाई दे रहा था। हरियाणा में कांग्रेस, भाजपा से कम अपने ही नेताओं से ज्यादा लड़ रही थी। कहा जाता है कि किसी भी प्रकार की लड़ाई में दुश्मन तो स्पष्ट दिखाई देता है, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो दिखते तो बिलकुल दोस्त जैसे ही हैं, लेकिन वे मुंह में राम बगल में छुरी रखकर चलते हैं। जहां अवसर मिलता है, वे सामने वाले के पैर खींचने का काम करते हैं। प्रदेश में कांग्रेस नेताओं के बीच इसी प्रकार की दुश्मनी दिखाई दी। प्रदेश की प्रमुख महिला नेता शैलजा तो जैसे कोपभवन में ही बैठ गई थीं। वे जब सक्रिय हुई तब तक कांग्रेस बहुत प्रचार अभियान में बहुत पीछे जा चुकी थी। हरियाणा की राजनीतिक स्थिति का आकलन किया जाए तो बहुत पहले यह परिलक्षित होने लगा था कि इस बार भाजपा की सरकार नहीं बन सकती। क्योंकि हरियाणा में भाजपा के विरोध में किसान और पहलवान एक प्रकार से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए देश भर के आंदोलनों के सूत्रधार बने हुए थे, कांग्रेस चाहती तो इस वातावरण का राजनीतिक लाभ प्राप्त कर सकती थी, लेकिन कांग्रेस के नेता स्थिति का अध्ययन इसलिए नहीं कर सके, क्योंकि वे इस बात के लिए पूरी तरह आश्वस्त हो चुके थे कि कांग्रेस की सरकार बनने से कोई रोक नहीं सकता। बस कांग्रेस यहीं बड़ी चूक कर गई और हरियाणा में कांग्रेस के सपने एक बार फिर चकनाचूर होते चले गए। ऐसे अब कांग्रेस को सिरे से चिंतन और मंथन करने की आवश्यकता है। हालांकि देश में 2014 के बाद विभिन्न प्रकार के 47 चुनाव हुए, जिसमें से 36 चुनावों में कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा। हर पराजय के बाद कांग्रेस में चिंतन और मंथन करने की बात की जाती है, लेकिन इस चिंतन में शीर्ष नेतृत्व पर उंगली उठाने का साहस किसी में नहीं होता। अंततः वही होता है, जैसा राहुल गांधी चाहते हैं। वर्तमान में भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन उनकी भूमिका कितनी निर्णायक होती है, यह सभी जानते हैं। हरियाणा में भाजपा की पुनः सरकार बनने का रास्ता अब साफ हो गया है, लेकिन कई मायनों में इसे भाजपा की सफलता नहीं माना जा सकता। चुनाव से पूर्व के राजनीतिक हालात भाजपा के पक्ष में कभी भी दिखाई नहीं दिए और न ही भाजपा सरकार के कामकाज से जनता प्रसन्न ही थी। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को सत्ता के सिंहासन से उतार कर भाजपा ने यह संकेत तो कर ही दिया था कि भाजपा के पक्ष में सब कुछ ठीक नहीं था। भाजपा ने मुख्यमंत्री बदल कर इस माहौल को परिवर्तित करने का प्रयास किया। भाजपा का यह कदम उसके लिए संजीवनी का काम कर गया जो भाजपा के लिए जीवनदान साबित हुआ। वहीं कांग्रेस की कमजोरी यह भी रही कि वह राजनीतिक वातावरण का अध्ययन करने में चूक गई। हरियाणा में कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व गुटों में विभाजित है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा स्वयं को कांग्रेस का सर्वेसर्वा मानकर ही राजनीति करते रहे।

जानवरों की दुनिया कितनी अनोखी और दिलचस्प...

क्षमा शर्मा

स्वर्गीय रतन टाटा को कुत्तों से बहुत लगाव था। बताया जा रहा है कि जब से वह अस्पताल में दाखिल हुए, उनके पालतू कुत्ते गोवा ने कुछ नहीं खाया था। उनके अंतिम संस्कार के समय भी एक वीडियो में वह बहुत विचलित और उदास दिखा। एक लेख में बताया गया था कि जब रतन टाटा अपने दफ्तर जाते थे, तो सड़क के कुत्ते उन्हें घेर लेते थे। वे दफ्तर के अंदर उन्हें लिफ्ट तक छोड़ने आते थे। उस दफ्तर में जहां बिना अनुमति के किसी मनुष्य का प्रवेश भी वर्जित था। यह भी देखने में आता है कि अपने पालक के लिए उनके पालतू कई बार जान गंवा देते हैं। कई बार उनकी रक्षा करने के कारण भी वे जान दे देते हैं। एक वीडियो में देख रही थी कि गायों का एक विशाल झुंड बड़े मैदान में खड़ा था। उनसे बहुत दूर एक लड़का खड़ा था, जिसकी पालतू गाय भी इसी झुंड में थी। एक दूसरा लड़का, इस लड़के के पास आया और दिखावे के लिए गाय के मालिक को पीटने लगा। गाय पूंछ उठाकर दौड़ी आई और दूर तक उस नकली हमलावर का पीछा किया। कुछ साल पहले विदेश में एक तोते ने शोर मचाकर अपने मालिक को जगाया था, क्योंकि घर में आग लग गई थी। बचपन में पड़ोस के गांव के एक जमींदार ने हाथी पाला हुआ था। हाथी किसी बात पर मालिक से नाराज हो गया। उसने सूंड में लपेटकर मालिक को जमीन पर पटक दिया। मालिक की मृत्यु हो गई। लेकिन बाद में हाथी को इतना अफसोस हुआ कि मालिक का जहां अंतिम संस्कार हुआ था, एक महीने तक वह बिना खाए-पिए वहीं खड़ा रहा और प्राण त्याग दिए। घोड़ों पर लिखी 2 पुस्तकें 'ब्लिट्ज' और 'ब्लैक ब्यूटी' अनोखी हैं। इन्हें पढ़कर घोड़ों की दुनिया और उनकी तकलीफों के बारे में जाना जा सकता है। न्यूजीलैंड का वह वीडियो तो आपने देखा ही होगा जिसमें एक महिला ने 2 शेर पाले हुए थे। बाद में उन्हें शेरों के अभयारण्य में छोड़ दिया गया। जब भी महिला उनसे मिलने जाती वे कूदकर उसके ऊपर चढ़ने की कोशिश करते, चाटते। बाघों के बारे में 'बॉर्न फ्री' सीरीज की तीनों किताबें पढ़ी जा सकती हैं। उसमें भी एक महिला ने एक शिशु शेरनी पाली थी। बाद में उसे जंगल में छोड़ दिया गया। जब वह मां बनी तो अपने परिवार के साथ उस महिला से मिलने घर आई। विदेश की एक घटना यह भी पढ़ी थी कि एक आदमी को एक मगरमच्छ नदी के किनारे घायल अवस्था में मिला था। वह उसे घर ले आया। उसका इलाज किया। जब वह ठीक हो गया, तो वह आदमी उसे नदी में छोड़ आया। लेकिन आश्चर्य, सवेरे जब उसने दरवाजा खोला, तो मगरमच्छ बरामदे में सो रहा था। उत्तर प्रदेश की वह घटना तो याद ही होगी। एक लड़के को एक घायल सारस मिला था। उसने उसका इलाज कराया। ठीक होने के बाद वह सारस उसका दोस्त बन गया। लड़का जहां जाता, सारस उसके साथ जाता। जब अधिकारियों को यह बात पता चली तो वे उसे ले गए और चिड़ियाघर में रख दिया। अपने सारस के बिछोह में यह लड़का बहुत दुखी हुआ। एक बार जब वह उससे मिलने चिड़ियाघर में गया, तो उसे देखते ही सारस पंख फैलाकर नाचने लगा। छत्तीसगढ़ में एक स्त्री ने मैना पाल रखी थी। उसका नाम रामश्री रखा था। महिला सवेरे-सवेरे खेत पर काम करने चली जाती थी। घर में जब महिला की अनुपस्थिति में कोई उससे मिलने आता था, तो मैना उड़कर खेतों तक जाती थी और महिला को सूचना देती थी। मशहूर लेखक रस्किन बांड ने अपने दादा जी के बारे में एक संस्मरण लिखा था। उनके दादा जी वन विभाग में थे। उन्हें एक बार एक बाघ का शिशु जंगल में मिला था। उसे वह घर लाकर पालने लगे। सुबह घूमने जाते, तो अपने साथ ले जाते। लेकिन यह बाघ बड़ा होने पर लोगों के पालतू कुत्तों और मुर्गियों पर हमला बोलने लगा तो उन्हें चिंता हुई। कहीं किसी मनुष्य पर ही हमला न कर दे। इसलिए वह उसे चिड़ियाघर में छोड़ आए। कई साल बाद उन्हें अपने बाघ की याद आई तो वह उससे मिलने गए। बाघ के पिंजरे में हाथ डालकर उसे सहलाने लगे, तो वह उनका हाथ चाटने लगा। तभी वहां वह आदमी आ गया जो बाघों की देखभाल करता था। उसने उन्हें पहचान कर कहा-साहब यह आपका बाघ नहीं है। वह तो पिछले साल निमोनिया से मर गया।

हिंसा का सही जवाब तलाशती कोरियाई लेखिका को नोबेल

दक्षिण कोरिया की प्रसिद्ध साहित्यकार हान कांग की किताबों में इंसानी हिंसा के विविध रूप उभरते हैं। छह साल पहले एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया था, 'मैं इस बात की मूल वजह जानना चाहती थी कि किसी इंसान को गले लगाना मेरे लिए इतनी तकलीफदेह बात क्यों है और मैं अपने अंदर टटोलती चली गई। 53 वर्षीया हान कांग का साहित्य विविध सवालों के जवाब अपने अंदर ही टटोलने के अभियान जैसा है। कोई अचरज नहीं, आज दुनिया हान कांग के साहित्य का खजाना टटोल लेना चाहती है। इस साल साहित्य का नोबेल पुरस्कार हान कांग को देने की घोषणा हुई है। दक्षिण कोरियाई इतिहास में पहली बार किसी साहित्यकार को साहित्य का शीर्ष सम्मान मिला है। हान को पढ़ने वाले और उनके लेखन के मुरीदों के लिए उन्हें नोबेल मिलना ऐसा है, मानो वह इसके लिए ही बनी हों। कोरियाई प्रायद्वीप आज पूरी दुनिया में अपने विभिन्न रंग-रूप और कलेवर में उपस्थित है और साहित्य इसका एक बड़ा हिस्सा है। किसे पता था कि हाल्यू (कोरियाई वेव) से शुरू हुई दक्षिण कोरिया की यह यात्रा साहित्य के नोबेल तक पहुंच जाएगी। हान कांग की सबसे प्रसिद्ध किताब द वेजिटेरियन के अंग्रेजी में अनुवादित संस्करण को साल 2016 में मैन बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। तब से आज तक हान वैश्विक पटल पर अपने पाठकों का प्रेम अर्जित करती आ रही हैं। हान को साहित्य का संस्कार अपने पिता हान संग-वॉन से विरासत में मिला है। निस्संदेह, यह हान के 85 वर्षीय पिता के लिए भी बहुत खुशी का मौका है। पिता प्रतिष्ठित लेखक हैं, उन्हें भी उम्दा साहित्य के लिए अनेक सम्मान मिल चुके हैं। बेटी हान को नोबेल मिलने की खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके लेखक पिता ने कहा है कि 'हान कांग की किसी भी रचना को खारिज नहीं किया जा सकता। वह दुख-तकलीफ और इंसानी जज्बात को जिस तरह अपनी कथा में पिरोती हैं, अपनी कृति को अद्भुत, अति सुंदर और पठनीय बना देती हैं।' अपने लेखन में मौजूद गाढ़े अंधेरे और गंभीरता के बारे में पूछे जाने पर हान बताती हैं, 'मुझे हमेशा यह महसूस होता है कि उपन्यास लिखते समय मैं लगातार सवाल करती रहती हूं, और साथ ही, मैं इंसानी हिंसा और इसे अस्वीकार करने की संभावना या उसके घटित न होने की उम्मीदों के बारे में लंबे समय से चले आ रहे अपने सवाल से जूझना चाहती हूं।' वह अपनी कृतियों के जरिये अपने सवालों को पाठकों तक पहुंचाना चाहती हैं, ताकि जवाब खोजने में आसानी हो। जहां एक ओर, हान की शुरुआती किताबों में मनुष्यों के बीच के अलगाव, हिंसा, बिछोह के कारण मिलने वाले आघात जैसे विषय दिखाई पड़ेंगे, वहीं बाद की कृतियों में हिंसा, तंत्र की वजह से इंसानों पर पड़ने वाले प्रत्यक्ष-परोक्ष सामाजिक-मानसिक दबाव और बने-बनाए ढांचे को तोड़कर इंसान को इंसान के रूप में देखने की चाह पुरजोर नजर आती है। एक विशेषता यह भी है कि हान की किताबों में किरदार आमतौर पर स्त्रियां होती हैं या उनका कथानक स्त्री-जीवन के ईद-गिर्द बुना होता है। हान के स्त्री पात्र आक्रामक, बहुत मुखर और हिंसक हुए बिना विरोध दर्ज कराते हुए व्यवस्था पर कड़ी चोट करते हैं। द वेजिटेरियन में वह कोरियाई समाज के 'मांसाहार' की प्रवृत्ति पर तगड़ी चोट करती हैं। वहीं उनकी दूसरी प्रसिद्ध कृति द व्हाइट बुक में उन्होंने सफेद रंग को ही अपना पात्र बना दिया है और जीवन-मृत्यु, सुख-दुख के संतुलन को दर्शाया है। साल 2023 में प्रकाशित अपनी किताब आई डू नॉट बिड फेयरवेल में स्त्रियों के माध्यम से हिंसा, मानवीय संबंधों में आने वाले अलगाव से पैदा होने वाले दुख व शोक को सामने रखा है। उनका यह उपन्यास हिंसा और युद्ध के बाद मिलने वाले दुख से उबरने के लिए किए जा रहे संघर्षों की कहानी है।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5390

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5389

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

वर्ग पहेली 5390

संकेत: बाएं से दाएं

1. यह योरप महाद्वीप में स्थित देश है इसे यूनान भी कहते है (2)
3. उत्तरप्रदेश का यह स्थल चूड़ी बनाने के कारखाने या कांच के उद्योग के कारण प्रसिद्ध है (5)
7. ऐसी घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
9. इसे पहले [illegible] कहा जाता था (3)
10. तीन घंटे का समय, याम (3)
11. गतिविधि, कुकर्म, संचालन (4)
12. ऐसी ही सही, अच्छा, कोई फिक्र नहीं, देखा जाएगा (2)
14. हाथ, कर, [illegible], पाणि (2)
15. रवि, दिनकर, दिनपति, दिवाकर (2)
16. अंग्रेजी के बारह महीनों में से एक (2)
17. फलित ज्योतिष की बारह राशियों में से एक, [illegible] (3)
19. नियुक्त करना, धारा, [illegible] लगाना (3)
21. लक्ष्य करना, प्राप्त करना (2)
22. हजरत मुहम्मद की यह छंदोबद्ध स्तुति है (2)
23. पितृपक्ष, श्राद्धपक्ष (4)

ऊपर से नीचे

1. गर्दन, शरीर का वह हिस्सा जो सिर व धड़ को जोड़ता है (2)
2. अधिनायक, संचालक (5)
3. चालाकी, चालबाजी, धूर्तता, प्रकृति (4)
4. [illegible] (4)
5. उद्यान, बगीचा, उपवन, वाटिका (2)
6. बांस की चटाई को यह भी कहते है (3)
8. जलाने वाला, दाहक (3)
11. औचित्य की सीमा लांघना, अति कर देना (5)
13. प्रक्षालक, प्रक्षालनकर्मी (3)
16. घास-फूस को बटकर बनाई गई रस्सी, पुराना, प्राचीन (2)
18. हिफाजत किया हुआ, महफूज, रखा किया हुआ, पालित, पोषित (3)
20. पत्र, चिट्ठी (2)
21. पुनीत, पवित्र, निर्दोष, निर्मल (2)

वर्ग पहेली 5389 का हल

इं	ग्लै	ड	■	क	बी	र	■
त	■	र	सि	क	■	सा	म
जा	ग	ना	■	ह	या	त	■
म	म	■	प	रा	■	ल	पु
क	क	हि	ट	■	पा	■	ल
री	■	ल	ना	श	ह	■	न
■	द	म	■	य	■	का	शी
ग	हा	ह	■	द	म	क	ल

संभाग बनाने के आंदोलन को जैन सोशल ग्रुप, महावीर इंटरनेशनल और मेघवाल समाज ने दिया समर्थन

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत मंदसौर नागरिक मंच द्वारा गांधी चौराहा पर प्रतिदिन चलाए जा रहे पोस्टकार्ड अभियान के 16 वें दिवस जैन सोशल ग्रुप ओर महावीर इंटरनेशनल के पदाधिकारी गण और सदस्य बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

इस प्रसंग पर अत्यंत ही सुखद संयोग यह रहा कि नगर में अपने चातुर्मासिक प्रवास में विराजे परम पूज्य जैन संत आचार्य श्री योग रुचि विजय जी महाराज का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। आपने मांगलिक श्रवण कराते हुए इस अभियान के लिए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष संजय डोसी ने कहा कि यह मंदसौर के अस्तित्व की लड़ाई है हम सब मिल कर इस संघर्ष को परिणाम तक पहुंचाएंगे। ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष संजय लोढ़ा ने कहा कि मंदसौर को संभाग बनाने का यह संघर्ष हमारे अधिकार की लड़ाई है इसे हम प्राप्त करके रहेंगे। किंतु हमें सरकार के ध्यानाकर्षण के लिए इस आंदोलन में अभी और तेजी लानी होगी। यह बहुत अच्छी बात है कि पोस्टकार्ड अभियान में समाज का प्रत्येक वर्ग जुड़ रहा है जनता का अपार समर्थन मिल रहा है। महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष आयुष जैन ने कहा कि संभाग बनाने के इस आंदोलन को हम सभी शहर वासियों की सहभागिता और मजबूत बनाएगी। हम अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं सरकार को गंभीरता से मंदसौर को संभाग बनाने की हमारी मांग पर ध्यान देना चाहिए महावीर इंटरनेशनल संस्था इस आंदोलन में पूरी तरह मंदसौर नागरिक मंच के साथ है। श्री कपिल भंडारी ने कहा कि वर्तमान भौगोलिक स्थिति में मंदसौर को संभाग बनाने का लाभ नीमच जिले के भी दूरस्थ गांवों को मिलेगा साथ ही गरोठ भानपुरा क्षेत्र के लिए भी मंदसौर ही नजदीक रहेगा यह हमारी बिल्कुल वाजिब और न्यायाचित मांग है प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री निश्चित रूप से हमारी मांग पर विचार करेंगे।

पोस्टकार्ड अभियान के 16 वें दिन जैन सोशल ग्रुप मेन द्वारा एक हजार पोस्टकार्ड भी प्रदान किए गए।ग्रुप के सर्वश्री संजय डोसी, संजय लोढ़ा, गौरव सुराणा, राजेश सिंघवी, सुनील पामेचा, आनंदीलाल भंडारी, विकास भंडारी, राकेश जैन, अनिल मिंडा, रिंकेश पाटनी, शरद गांधी, अजीत बंडी संजय जैन श्वेता, सुनील पामेचा अजय जैन नरेंद्र मेहता मयंक गांधी, संजय विक्रम, दिनेश जैन, मयंक गांधी, दिनेश जैन, कनक पंचोली, श्रीमती इंदु पंचोली, विशाल गोदावत सतीश लोढ़ा, पवन जैन शामिल हुए।शरद गांधी को सभी ने जन्मदिन की बधाई व शुभकामनाएं दीं।महावीर इंटरनेशनल संस्था के सर्व श्री आयुष जैन, राजेश नामदेव, भावेश बक्शी, अरुण अग्रवाल, पीसी कुमावत, लोकेंद्र जैन, घनश्याम पोरवाल, राकेश जैन, पंकज मित्तल, सुनील मित्तल, विकास गोदावत, अरविंद कुदार, जीएस कोठारी भाग्य चंद्र खंडेलवाल, राजेश गर्ग शामिल हुए। मेघवाल समाज के मांगीलाल चरेर, कृष्ण पाल वसुनिया रामनिवास सूर्यवंशी दिनेश सूर्यवंशी प्रभु लाल सूर्यवंशी गोवर्धन लाल सिनम ओर हकीमुद्दीन बोहरा फिरोज अली कपाड़िया उस्मान हुसैन सैफुद्दीन भाई आदि भी शामिल हुए। मंदसौर नागरिक मंच कौर कमेटी के सदस्य उमेश पारीक कार्यालय प्रभारी प्रदीप भाटी भी अभियान में मौजूद थे। प्रतिदिन अपनी सेवाएं देने वाले सर्वश्री अजीजुल्ला खान खालिद राजा राम तंवर, बंसीलाल टांक राधेश्याम मालवीय और श्रीमती सीमा चोरड़िया ने आते जाते नागरिकों को पोस्टकार्ड लिखने के लिए प्रेरित किया। मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक द्वय नरेंद्र अग्रवाल और ब्रजेश जोशी ने बताया कि पोस्टकार्ड अभियान के सत्रहवें दिन 18 अक्टूबर शुक्रवार को पारख समाज, बोहरा समाज, नमो ग्रुप और अशासकीय शिक्षण संस्था संगठन के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

अयोध्या में अभा संयुक्त ब्राह्मण संघर्ष समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी गठित

पं. अरूण शर्मा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनाये गये, सनातन धर्म की रक्षा के लिए पूरे देश के ब्राह्मणों को एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में देश के ब्राह्मणों ने एकजुट होकर सनातन धर्म की रक्षा के लिये संकल्प लिया। देश के ब्राह्मण संगठनों में तीन वर्ष पूर्व हिंदुओं के इष्ट देव मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम लला की जन्मस्थली अयोध्या धाम में सनातन धर्म को मजबूत करने और समाज के उत्थान के लिए अखिल भारतीय संयुक्त ब्राह्मण संघर्ष समिति का गठन किया था। जिसका तीसरा एक दिवसीय सम्मेलन अयोध्या धाम में संपन्न हुआ। जिसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन कर विस्तार हुआ। इस समिति में सर्व ब्राह्मण समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष पं. अरूण शर्मा को भी आमंत्रित किया गया। नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी में पं. अरूण शर्मा को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य का दायित्व दिया गया।

अयोध्या से लोटे पं. अरूण शर्मा ने बताया कि समिति के बैठक का उद्घाटन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत मणिरामदास छावनी के अधिकारी महंत कमलनयन दास ने भगवान परशुराम की मूर्ति पर पुष्प चढ़ाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। महाराज ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए पूरे देश के ब्राह्मणों को एक जुट होकर आगे आने के लिए आव्हान किया सम्मेलन में देश में आरक्षण आर्थिक आधार पर लागू करने, योग्यता आधारित पदों को छोड़कर आरक्षण लागू करने, सर्वण आयोग का गठन, समान नागरिक संहिता, भगवान परशुराम के प्रकटोत्सव अक्षय तृतीया पर पूरे देश में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा, एवं भगवान परशुराम का भव्य मंदिर अयोध्या धाम के राम लला के नवनिर्मित मंदिर परिसर श्री राम जन्मभूमि में बनाए जाने की सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित किया गये। पूरे देश से आए हुए ब्राह्मण संगठनों ने सनातन धर्म की रक्षा का संकल्प दोहराया और ब्राह्मण संघर्ष समिति के पांचो मांगों का सर्वसम्मत से समर्थन किया। इस अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र चतुर्वेदी उज्जैन को राष्ट्रीय अध्यक्ष, तथा पं. कृपानिधान तिवारी को राष्ट्रीय संरक्षक पद पर मनोनीत किया। साथ ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं. सुरैश मुले(महाराष्ट्र), त्रिलोकीनाथ तिवारी राजस्थान, महेंद्र कौशिक नई दिल्ली, ब्रजेश पांडे पटना बिहार, जय भगवान शर्मा हरियाणा, रघुनाथ पांड्य झारखंड, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी(वाराणसी) उ.प्र., तथा राष्ट्रीय संगठन मंत्री नानक शरण सिंह हापुड उ. प्र, राष्ट्रीय प्रवक्ता आदित्य नारायण त्रिपाठी अंबेडकर नगर उ. प्र., श्रीमती संध्या दुबे सागर म.प्र., दद्र मिश्रा लखनऊ, शीलम झा वाराणसी, महेंद्र पांडे वाराणसी उ. प्र., तीरथ सिंह फर्स वाला राजस्थान, एस के दुबे बीना म. प्र. को बनाया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, दिल्ली, पंजाब, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान ,सहित भारी संख्या में देशभर के सभी प्रांतो के ब्राह्मण उपस्थित रहे।

स्वामी सर्वानन्द महाराज का जन्मोत्सव मनाया

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सिन्धी हिन्दू समाज की प्रमुख धर्मपीठ श्री प्रेमप्रकाश पंथ की द्वितीय बादशाही सतगुरू स्वामी सर्वानन्दजी महाराज का पावन 128वां जन्मोत्सव पंथ की मंदसौर शाखा श्री प्रेमप्रकाश आश्रम में संत श्री शंभूलाल प्रेमप्रकाशी के सानिध्य में 51 दीपों की आरती, केक प्रसाद, सत्संग प्रवचनों एवं बधाई गीतों के साथ मनाया गया।

इस आशय की जानकारी श्री प्रेमप्रकाश सेवा मण्डली के अध्यक्ष पुरूषोत्तम शिवानी ने देते हुए बताया कि स्वामी सर्वानन्द महाराज का पावन जन्मोत्सव सनातन हिन्दू पंचाग की गणना अनुसार शरद पूर्णिमा के पावन दिवस ही आता है। शिवानी ने बताया कि इस अवसर पर संतश्री शंभूलालजी ने अपने मुखारविन्द से उपस्थित संगत को अपनी अमृतमयी वाणी में बतलाया कि स्वामी का जन्म 1897 में अविभाजित हिन्दुस्तान के भीटशाह नाम के छोटे से कस्बे में माता ईश्वरीदेवी पिता सेवकराम के यहां अवतार हुआ था। आचार्य टेऊँरामजी महाराज अवतार रूप थे उन्हीं की दुरदृष्टी थी कि स्वामी जी को 15 वर्ष की उम्र में ही देवभूमि हरिद्वार में तप तपस्या हेतु देशाटन हेतु भेजा इसलिये आज जो श्री प्रेमप्रकाश पंथ का वट वृक्ष है वो वह स्वामी सर्वानन्दजी महाराज की देन है। स्वामीजी ने सदैव आचार्य टेऊँरामजी की आज्ञा को ही सर्वोपरी माना। आपश्री ने पावन शरद पूर्णिमा के महातम को सविस्तार समझाते हुए बताया कि शरद पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा से अमृत की वर्षा होती है। उसकी रोशनी में खीर प्रसाद अमृत औषधि का काम करती है जो सर्वरोग निदान होती है। शरद पूर्णिमा के दिन भगवान श्री कृष्ण ने अपनी प्रिय गोपियों को प्रसन्न करने हेतु रात्रि को महारास किया था। कहते है कि वह महारास की रात्रि की अवधि 6 मास (महिने) की थी। जिसमें चन्द्रमा के प्रकाश ही रहा, सूरज भगवान के दर्शन ही नहीं हुए। सुख, समृद्ध, अमन चैन एवं शांति का पल्लव अरदास कर जन्मोत्सव धार्मिक नृत्य, उमंग व उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। आभार प्रदर्शन श्रीमती पुष्पा पमनानी एवं श्रीमती देवकी कोठारी ने माना।

मिठाईयों की जांच-मनासा में खाद्य विभाग ने तहसीलदार और खाद्य अधिकारियो ने होटलों पर बन रही मिठाईयों की जाँच की।

गुरु टेकचंद जी महाराज के समाधि उत्सव पर निकला चल समारोह

नगरी, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दामोदर वंशीय नया गुजराती दर्जी समाज द्वारा शरद पूर्णिमा पर गुर टेकचंद समाधि उत्सव आयोजन के तहत नगर में चल समारोह निकाला गया। चारभुजा नाथ मंदिर से चल समारोह बैंडबाजों के साथ प्रारंभ हुओं बस स्टैंड, इंडिया गेट, तेजाजी प्रांगण, गांधीचौराह होते हुए चल समारोह पुन: चारभुजा नाथ मंदिर पहुंचें। चल समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर जलकलश धारण किया हुआ था। नगर भ्रमण के बाद चल समारोह चारभुजा नाथ मंदिर पहुंचों मंदिर पर महाआरती के साथ छप्पन भोग लगाया गया। क्षेत्रीय विधायक विपिन जैन ने चल समारोह का स्वागत करते हुए चारभुजा नाथ मंदिर जीर्णोद्धार के लिए 51 हजार की राशि की घोषणा की। चल समारोह का भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, मंडल अध्यक्ष विकास सुराणा, कांग्रेस पदाधिकारी महेंद्र सिंह गुर्जर, सौमिल नाहटा सहित नगर के सामाजिक एवं राजनैतिक संगठनों द्वारा स्वागत किया गया।

नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के आवेदन आज करें

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास द्ववारा बताया कि विकासखण्ड स्तरीय नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं मल्हारगढ़, सीतामऊ, गरोठएवं भानपूरा हेतु आवेदन18अक्टूबरतक एमपी ऑनलाइनपोर्टल http://www.mponline.gov.inपर कियोस्क केन्द्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।अधिक जानकारी के लिए विभागीय वेबसाइट http://ww.mpkrishi.mp.gov.inया उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास कार्यालयीन समय पर संपर्क करे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित होने वाली शालेय 14 वर्ष से कम बालक बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता जो खंडवा के खंडवा में आयोजित हो रही है उसमें मंदसौर के 6 खिलाड़ी चयनित हुए हैं जिसमें चार बालिका व दो बालक शामिल है यह सभी खिलाड़ी उज्जैन संभाग टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे चयनित खिलाड़ियों में सुहानी नितिन राजोरा, अक्षरा राजेंद्र व्यास, सोनाक्षी गोवर्धन चौहान, शाहना हामिद खान, अक्षत शैलेश बैरागी, अथर्व नितेश खिची, शामिल है यह सभी खिलाड़ी साई फुटबॉल क्लब में अभ्यास करते रहे हैं खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर साई फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष अनिल कियावत, विनय दुबेला, निमिष दुग्गड, अंकित जाधव, उत्कर्ष चंदेल, आयुष खेतरा, ऋषि पांडे, अंशुमन बाजपेई, संदेश, विकी आदि ने बढ़ाई दी व अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

चाइनीज फटाके व विदेशी इलेक्ट्रानिक का करें बहिष्कार

स्वदेशी जागरण मंच स्वावलंबन भारत अभियान की विभाग बैठक संपन्न

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्वदेशी जागरण मंच के मालवा प्रांत के संयोजक डॉ. हरिओम वर्मा के मार्गदर्शन में विभाग बैठक का आयोजन 16 अक्टूबर को नपा सभागार में हुआ।

बैठक में में आगामी दीपावली के पर्व को देखते हुए चाइनीज फटाके व विदेशी इलेक्ट्रॉनिक आइटम सहित विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने का आव्हान किया गया तथा भारत की परम्परा के अनुरूप मिट्टी के दीपक लगाने हेतु सबको प्रेरित करने की चर्चा हुई। बैठक में विभाग विस्तारक दिलीप व्यास, मंदसौर जिला संयोजक अंकुश पालीवाल, नीमच जिला संयोजक अजय चौधरी उपस्थित थे। बैठक में संगठन का विस्तार भी किया गया जिसमें जिला संपर्क प्रमुख डॉ. हेमंत नामदेव, वरिष्ठ आयाम प्रमुख वीरेंद्र आर्य, युवा आयाम प्रमुख डॉ. रजत जैन, स्वदेशी जागरण मंच जिला महिला कार्य प्रमुख निशा कुमावत, तहसील महिला कार्य प्रमुख पूजा ठाकुर, तहसील कार्य सहप्रमुख रेखा जोशी, कविता चौहान, मीनाक्षी पवार को बनाया गया। बैठक में स्वदेशी जागरण मंच के जिला सहसंयोजक महेंद्रसिंह राजावत, जिला सहसंयोजक दिलीप चौधरी, तहसील संयोजक अभिजीतसिंह मंडलोई, तहसील सहसंयोजक जितेंद्र पाटीदार, गोविंदसिंह सिसोदिया, प्रभुलाल प्रजापत, तहसील संपर्क प्रमुख देवेंद्र भारती, शुभम सारस्वत, किशन पांडे, सतीश बैरागी, नितेश माली, सीतामऊतहसील संयोजक विशाल जाटव, नरेंद्र पाटीदार सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रतियोगिता में जीते तीन गोल्ड मेडल

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विद्या भारती की अखिल भारतीय कराटे प्रतियोगिता देवास में विद्या भारती मालवा के प्रकल्प सरस्वती विहार शैक्षणिक संस्थान के सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई विद्यालय के खिलाड़ी परी शर्मा, रणधीर सिंह तंवर, नमन ने स्वर्ण पदक अर्जित कर एससीएफआई में सहभागिता करेंगे। तीनों की इस उपलब्धि पर विद्या भारती मध्यक्षैत्र के सह संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्रा, विद्या भारती मालवा के संगठन मंत्री श्री योगेश शर्मा, विद्या भारती मालवा के अध्यक्ष डॉ. श्री कमल किशोर चितंलाग्यां, सचिव श्री प्रकाश चन्द्र धनगर, विद्या भारती मालवा के नगरीय शिक्षा के प्रांत प्रमुख श्री पंकज पंवार, सह प्रांत प्रमुख श्री सुंदरलाल शर्मा, सरस्वती विहार संचालन समिति के सचिव श्री अशोक पारीख, प्रबंधक श्री सुनिल शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री राजदीप परवार, प्राचार्य डॉ. सरोज प्रसाद, उपप्राचार्य लक्ष्मी राठौड़, प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, खेल प्रमुख श्री दिनेश यादव, कोच नितिराज सिंह चौहान ने खिलाड़ियों को बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।

सोयाबीन उपार्जन की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करें-चंद्रा

नीमच, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन उपार्जन की गुणवत्ता जांच के लिए बुधवार को कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में जिला स्तर पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिले के सभी उपार्जन केन्द्रों पर पेयजल, छांया, बैठने आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि शासन निर्देशनुसार ही खरीदी कार्य करें, किसानों से मधुर व्यवहार रखें। कलेक्टर ने कहा कि एफएक्यू एवं खरीदी पॉलिसी अनुसार ही सोयाबीन का उपार्जन करें। उन्होंने कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं समिति प्रबंधक को निर्देश दिये कि किसानों के आधार नंबर एवं एक्टिव बैंक खाता नंबर पर ही भुगतान कराएं। साथ ही सुनिश्चित करें कि किसानों को एक सप्ताह में भुगतान भी हो जाए। समिति प्रबंधक खाद स्टॉक की सूचना का प्रतिदिन डिस्प्ले करें और कमी की जानकारी से अवगत कराएं। खाद का विक्रय पीओएस मशीन से ही करें।

डेंगू संक्रमण बचाव हेतु सलाह

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि डेंगू बुखार एक वायरल बीमारी है जो डेनवायरस द्वारा होती है, डेंगू से बचाव के लिए इस समय पूरे आस्तीन के कपड़े पहने, मच्छरदानी का उपयोग करें, मच्छरों से बचाव के लिए खिड़कियों व दरवाजों में मच्छर रोधी जाली लगवाएं। सुबह, श्याम खिड़कियां व दरवाजे बंद रखें। अपने घरों के अंदर अगर 7 दिवस से पानी भरा है तो उसे खाली करें उसका उपयोग करके बर्तन को रगड़कर साफ करें उसके बाद आवश्यकता ना हो तो उसे उल्टा करके रखें, टंकी को अच्छे से ढककर रखें जिससे मच्छर उसके अंदर प्रवेश न कर सके। पुराने फालतू कंटेनर को उल्टा कर दे, जिससे बारिश का पानी उसमें जमा ना हो सके। कूलरों को साफ करके उनको सुखा दे, अपने घरों के आसपास भरा पानी में सप्ताह में एक बार जला हुआ आयल या तेल डाल सकते हैं। मच्छरों से बचने के हर संभव प्रयास करें।

प्रेक्टिकल नालेज बढ़ाने आईआईएम इंदौर के 24 छात्रों की टीम द्वारा 4 गांवों का भ्रमण

नीमच, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आई.आई.एम. इंदौर के 24 छात्रों की 4 टीमें जिले के अलग-अलग गांवों में पहुंची। हर टीम एक गांव में चार दिन रहकर, यहां ग्रामीण परिवेश को समझेगी। हर टीम में 6 छात्र शामिल हैं। रूरल इंगेजमेंट प्रोग्राम के तहत छात्रों का चयन किया गया है। सभी टीमें रिपोर्ट तैयार करेंगी। फिर इसे आई.आई.एम. इंदौर की तरफ से शासन को भेजा जाएगा।

छात्रों की टीमें राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किये जा रहे कार्यो के तहत हो रहे कार्यो का भी अध्ययन करेंगी। एकेडमिक के साथ-साथ छात्रों को प्रैक्टिकल नॉलेज देने तथा बडे प्रोजेक्ट को धरातल पर परखने की समझ विकसित करने के लिए यह एकेडमिक विजिट प्लान की गई है। प्रभारी जिला पंचायत सीईओ श्री अरविन्द डामौर एवं एन.आर.एल.एम. जिला परियोजना प्रबंधक श्री शम्भु मईडा ने छात्रों से कहा, कि वे ग्रामीण प्रवास के दौरान वहां के समूहों के संचालन एवं समूहों द्वारा की जा रही गतिविधियों, अर्थव्यवस्था एवं ग्रामीणों की समस्याओं को समझने का प्रयास करेंगे, तो काफी अहम होगा। टीम विकासखण्ड नीमच के ग्राम चिताखेडा, धनेरियाकलां, जवासा और रेवली-देवली के भ्रमण पर रहेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेन्द्र पालनपुरे द्वारा इन पंचायतों में भोजन एवं आवास की व्यवस्था करवाई गई एवं विकासखण्ड प्रबंधक राजेन्द्र कुमार चौहान, सहा. विकासखण्ड प्रबंधक श्री आशीष भगोरे, सुनिल नागराज द्वारा उक्त पंचायतों में स्व-सहायता समूह की महिला दीदीयों एवं ग्राम संगठन एवं सकुल स्तरीय संगठन के पदाधिकारीयों के बीच संवाद करवाया जा रहा है।

हनुमान चालीसा की महिमा का चमत्कारी प्रभाव हुआ कॉलेज ग्राउण्ड में....

दशहरा कार्यक्रम में बारिश करने के लिए इंद्रदेव को रुकना पड़ा

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कॉलेज ग्राउंड पर विजयादशमी पर 75 फीट रावण के पुतले के साथ ही कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतला दहन कार्यक्रम को देखने नगर के लगभग 53 हजार दर्शक जिनमें छोटे-छोटे बच्चों से लेकर युवान-वृद्ध-महिलाओं से कॉलेज मैदान खचाखच भरा हुआ था। सभी की निगाहें रावण की घूमती आंखों और गर्दन घुमाते हुए पुतले पर टिकी हुई थी। दूसरी और 2 दिन से आकाश बरसाती बादलों से घिरा हुआ था। एक दिन पहले बारिश हो गई थी। आकाश में घने बरसाती बादलों को देखकर सबके मन में आशंका थी कि बरसात के बदलते मौसम का कोई भरोसा नहीं था कि यह कब बरसने लगे और कब थम जाये परन्तु इस बार आयोजकों ने रावण दहन से पहले एक नवाचार यह किया कि सामूहिक रूप से पवन पुत्र हनुमान के हनुमान चालीसा का मर्यादित ढंग से सबसे पदत्राण (जूते-चप्पल) खुलवाकर जहां वे कुर्सियों पर बैठे अथवा खड़े थे हनुमान चालीसा का पाठ करवाया। जिसका प्रभाव यह हुआ कि लगभग पौने 3 घण्टे तक जारी कार्यक्रम में पानी बरसाना तो दूर एक बूंद भी पानी का छींटा गिरा नहीं परन्तु रावण दहन के पश्चात परस्पर कार्यक्रम की सराहना करते हुए जब सभी शांति से अपने-अपने निवास स्थानों पर पहुंच गये। आयोजकों ने कॉलेज ग्राउंड में सामान समेट लिया उसके बाद पहले धीमी और उसके बाद फिर जोर से बारिश शुरू हो गई। जैसा कि योग गुरू बंशीलाल टांक ने कहा ढाई-तीन घण्टे के उस वृहद कार्यक्रम में जहां पूरा नगर उपस्थित था बारिश तो दूर यदि मामूली बुंदा बूंदी भी शुरू हो जाती तो परेशानी हो सकती थी।

परन्तु भगवान पशुपतिनाथ व हनुमानजी की कृपा रही कि इन्द्रदेव रूके रहे और बारिश नहीं हुई और कार्यक्रम निर्विघ्न शांति और आनन्द से सम्पन्न हो गया। यह सब हनुमानजी की शक्ति उनके हनुमान चालीसा की महिमा का ही प्रभाव रहा। इसीलिये तो हनुमान चालीसा का पाठ करने वालों की हिफाजत सुरक्षा करने का जिम्मा जवाबदारी की साक्ष्य-गवाही देने का भार स्वयं शंकर भगवान को लेना पड़ा है। जो हनुमान चालीसा के अन्त की 38वीं चौपाई में इस प्रकार स्पष्टहै जो यह पढ़े हनुमान चालीसा, होय सिद्ध साखी गौरीशा से स्पष्टहै।

बंशीलाल टांक

मंत्री को स्मगलर की जानकारी होना कहीं पर निगाहे, कहीं पर निशाना थी...

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बीते पखवाड़े से मध्य प्रदेश में नशीले पदार्थों को बनाने के कारखाने और तस्करो एवं उनके साथियो को पकड़ने का क्रम जारी है। प्रदेश सरकार की चिंता को बढ़ाने वाली खबर ने मध्य प्रदेश पुलिस की नाकामयाबी को भी उजागर कर दिया है। क्योंकि, इन कारखानों और तस्करों को पकड़ने का काम गुजरात की पुलिस और केंद्रीय एजेंसी एनसीबी और डीआरआई ने कर दिखाया और वाह वाही भी लूट। देश भर के समाचार पत्रों की मुख्य खबर बनना प्रदेश सरकार के लिए उलाहना भी था कि इंदौर के एक मंच पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में उनके ही कैबिनेट के कद्दावर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्रदेश की पुलिस पर उलाहना कसते हुए कह दिया कि स्मगलरों की जानकारी आम होने के बाद भी पुलिस मुस्तैदी नहीं दिखा पा रही है।

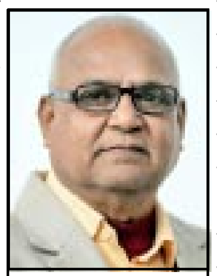

चन्द्रमोहन भगत

मंत्री के कहने का साफ मतलब यही था कि अगर तस्करी का व्यवसाय इतना पनप रहा था तब पुलिस को इसे इतना फैलने से पहले ही जमीदोंज कर देना था। यह भी इशारा था कि पुलिस का खुफिया तंत्र नाकाम रहा था। मंत्री विजयवर्गीय ने जो कुछ कहा उसमें उनके सूचना तंत्र और सार्वजनिक जीवन के अनुभव का सामंजस्य था। बात सही थी पर पुलिस विभाग के एक आला अधिकारी को इतना चुभ गई कि वह कह बैठे कि अगर मंत्री को स्मगलरो की जानकारी है तो वह ही पकड़ ले! मंत्री जी तो पकड़ भी सकते हैं, पर जिसका यह काम है वह क्यों नहीं कर पाए ? इतने बड़े बल वाली पुलिस को भनक भी तब लगी, जब दूसरे राज्य की पुलिस और विभाग ने तलाशी, जप्ती और गिरफ्तारी की कार्रवाई कर डाली। जब पुलिस और सरकार पर छींटे उड़ेतब आयुक्त राकेश गुप्ता को कहना पड़ा की स्मगलरों के अड्डों को चिन्हित कर दबिश की कार्रवाई लगातार जारी है। जारी भी रहेगी, रहना भी चाहिए। पर, जो दाग प्रदेश पुलिस पर लगे हैं वे तब ही मिट पाएंगे जब किसी बड़े नशीले पदार्थ के प्रांतीय माफिया और नशीले ड्रग निर्माता को पकड़ा जाएगा। यानी गलियों, मोहल्ले वालों से लेकर जिलों को प्रदेश की उत्पादक फैक्ट्रीयों को माल उपलब्ध करवाता हो!

ऐसा करना है तो पुलिस का ही काम, जो मंत्री के कथन से भी नाराज हैं। तब यह विषय उठ रहा है कि फिर किसके निर्देश पर ड्रग माफियाओं के खिलाफ जागेंगे! मंत्री विजयवर्गीय ने सरकार को तो साफ बचा लिया की सरकार सख्त कार्रवाई के लिए तत्पर है। तब कौन कार्रवाई होने से रोक रहा है या सख्त को नर्म कर रहा है। सभी जानते हैं, समझ भी रहे हैं कि मुख्यमंत्री, मंत्री कोई भी आदेश देगा, तब भी करवाई तो मध्य प्रदेश पुलिस को ही करना है। मंत्री ने ये भी कहा कि मुझे तस्करों नाम भी मिल रहे हैं, तब भी तात्पर्य यही था कि पुलिस को भी मालूम होंगे। मंच से मुख्यमंत्री को यह इंगित करना कि पुलिस मुख्यालय को इसमें सक्रिय करना पड़ेगा।

जितने बिंदु जिस तरह से विजयवर्गीय ने सार्वजनिक किए हैं। उसके सतही और गर्भीय असर का अंदाज पारखियों ने तो समझ लिया है। आकलन भी शुरू हो गया है कि किसने कब, कहां गलती की थी और कब और क्या करने से सुधर जाएगी। पुलिस प्रशासन में जिस अधिकारी ने मंत्री के वक्तव्य को समझा, तत्काल ही कुछ करने से पहले माइक पर प्रतिक्रिया उलट दी। इसमें उनकी अधैर्य परिपक्वता झलक गई। रही बात भाजपा के उन कार्यकर्ताओं की जो ड्रग सप्लाई से सीधे जुड़े थे, जिन्हें मंत्रियों, वरिष्ठपदाधिकारियो का संरक्षण भी मिला हुआ था। ऐसे पदाधिकारी, मंत्री भी इस रिपोर्ट के बाद सचेत हो, बग़ले झांक रहे हैं, बचने की गलियां तलाश रहे हैं। बहरहाल जब से मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के साथ मंच से मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जो कुछ कहा, हर वर्ग उसकी प्रशंसा कर रहा है और यह भी मान रहा है कि ड्रग तस्करी तो सार्वजनिक कहने का विषय नहीं था। पर, निशाना वहीं लगा जहां लगाया था।

विश्व हिन्दू परिषद सेवा विभाग ने किया 501 कन्याओं का पूजन

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिन्दू परिषद सेवा विभाग मंदसौर द्वारा आज शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 501 कन्याओं का पूजन कर भोजन प्रसादी का आयोजन नारायण नगर स्थित अम्लेश्वराय बालाजी मंदिर प्रांगण में किया गया।

विश्व हिन्दू परिषद जिला सेवा प्रमुख श्री विनोद जाट द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम 251 में कन्याओं का पूजन एवं भोजन रखा गया था किन्तु मॉ अम्बे एवं नालछा माता की कृपा एवं आशीर्वाद से कन्याओं की संख्या 251 से बढ़कर 501 हो गई। इन सभी कन्याओं का पूजन एवं भोजन शास्त्रोक्त उच्चारण एवं मंत्रोच्चार के साथ विधि - विधान से किया। कार्यक्रम में मंदसौर नगर के हिन्दू समाज के विभिन्न संगठनों, सफाई कर्मचारियों एवं नारायण नगर के महिला एवं पुरूषों के द्वारा कन्या पूजन एवं भोजन करवाया गया। कार्यक्रम तीन छत्री बालाजी महाराज सेवा संत श्री 108 रामकिशोरदासजी महाराज के आर्शीवचन से प्रारंभ हुआ। साथ ही प्रांत सेवा प्रमुख श्री गिरधारीलाल कुमावत एवं घुमन्तु प्रवासी समुदाय के प्रांत प्रमुख श्री रवि बुन्देला का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में घुमन्तु समुदाय की कन्याओं का भी पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। आयोजन में मंदसौर नगर के विभिन्न संगठनों के नगर एवं प्रांत के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम की गरिमामय शोभा बनी। इस पवित्र पुण्य एवं पावन अवसर पर प्रांत टोली से श्री गुरूचरण बग्गा, विभाग विशेष संपर्क प्रमुख श्री प्रदीप चौधरी, विभाग के समरसता प्रमुख श्री प्रकाश पालीवाल, जिलाध्यक्ष श्री प्रवीण मण्डलोई, बजरंग दल के जिला सह संयोजक श्री महेन्द्र सुरा, मंदसौर नगर से नगर उपाध्यक्ष विनोद प्रजापत, नगर प्रखण्ड मंत्री श्री गौरव शर्मा, प्रखण्ड सहमंत्री श्री हरीश राव, जिला विश्व हिन्दू परिषद सेवा टोली प्रमुख श्री नरेन्द्रसिंह तोमर, डॉ. श्री रविन्द्र पाण्डेय, श्री आमोद बिहारी सक्सेना, श्री कैलाश, श्री गोपाल महाराज, श्री श्यामलाल शर्मा, श्री कमलेश मेहता, श्री नरेन्द्र व्यास, श्री मदनलाल मालवीय, श्री पंकज पोरवाल, श्री अंशुल पोरवाल, श्री पं. विष्णु शर्मा एवं मंदसौर नगर एवं नारायण नगर के सभी कॉलोनीवासियों की गरिमामय उपस्थिति थी। घुमन्तु प्रांत निधि प्रमुख श्री विनोद मेहता, श्री विनय दुबेला, श्री वरदीचंद कुमावत एवं मॉ शक्ति जिला संयोजक श्रीमती शांति दीदी, श्रीमती धापूबाई बागड़ी, श्रीमती लक्ष्मी दीदी, प्रियांशी दीदी, आशा दीदी की उपस्थिति भी कार्यक्रम की शोभ बनी। कार्यक्रम का संचालन प्रखण्ड मंत्री श्री गौरव शर्मा एवं श्री विनय दुबेला द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का आभार प्रखण्ड सेवा प्रमुख श्री शुभम तरवेचा द्वारा व्यक्त किया गया।

श्रीगुप्तानंद आश्रम पर धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन आज से

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शिवना तट मुक्तिधाम मन्दसौर, विष्णु पुरी स्थित प्राचीन श्रीगुप्तानंद आश्रम पर दस दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है।

अवधूत संत शिरोमणि दादा गुरु 1008 श्रीगुप्तानंदनंद महाराज के परम्परा शिष्य 1008 श्रीरामजीवानन्द महाराज की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 18 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 24 तक 41 वैदिक ब्राह्मणों द्वारा अतिरूद्र पाठ व पंच कुंडीय महारुद्र यज्ञ किया जावेगा। साथ ही रामजीवानंद महाराज की समाधि स्थल पर शिवलिंग स्थापना व मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जावेगी। यह जानकारी स्वामी नारायणानंद महाराज,गुप्तानंद भक्तमण्डल ने दी है।

अजमीढ़ जयंती पर निकला चल समारोह

मनासा, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्वर्णकार समाज के पितृ पुरुष ,आराध्य देव श्री अजमीढ जी महाराज की जयंती पर महाराज अजमीढ जी की प्रतिमा को चल समारोह के साथ पालकी में नगर के नारसिंघी माता मंदिर से द्वारिकापुरी धर्मशाला तक निकाला गया जिसका नगर में अनेक स्थान पर स्वागत सत्कार किया गया। जयंती पर समाजजन द्वारा बच्चों के लिए चेयर रेस, चम्मच रेस, रंगोली स्पर्धा का भी आयोजन किया गया , वही महिलाओं द्वारा गरबा रास किया गया। समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। जयंती कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राधेश्याम सोनी, मनासा अध्यक्ष चंद्रशेखर सोनी , बंशीलाल सोनी, श्याम सोनी, राधेश्याम सोनी, सुंदर सोनी , गोपाल सोनी , मंचासिन रहे। कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र सोनी द्वारा किया गया।

इंदौर में 50 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। इंदौर पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। इसी कड़ी में सराफा पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से आधा किलो एमडी ड्रग्स बरामद की है। इस ड्रग्स की कीमत 50 लाख रुपये बताई जा रही है। पकड़े गए आरोपितों के नाम पारस और रिंकू हैं।

पुलिस दोनों से पूछताछ कर पता चलाने की कोशिश कर रही है कि वे यह ड्रग्स कहा से लाए थे और किसे सप्लाई कर रहे थे। भोपाल और झाबुआ में ड्रग्स की फैक्ट्री पकड़े जाने के बाद से प्रदेशभर में पुलिस जगह-जगह कार्रवाई कर ड्रग्स बेचने वालों को गिरफ्तार कर रही है। विजय नगर पुलिस ने मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त के मामले में पैडलर अर्जुन मीना (मंदसौर) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक 22 अगस्त को आरोपित यश उर्फ नन्नू को स्मैक के साथ पकड़ा था। आरोपित ने अर्जुन का नाम बताया था। अर्जुन के विरुद्ध करीब 30 मामले दर्ज है।

उच्च माध्यमिक शिक्षक 2023 के पात्र अभ्यर्थियों को राहत, जारी होंगे नियुक्ति पत्र

भोपाल, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। उच्च माध्यमिक शिक्षक (वर्ग-1) 2023 के पात्र अभ्यर्थियों को राहत मिल गई है। अब इनकी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होगी। स्कूल शिक्षा विभाग नियुक्ति पत्र जारी करने की तैयारी में भी जुट गया है। इससे करीब प्रदेश के चार हजार पात्र अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी।

उच्च न्यायालय ने उच्च माध्यमिक शिक्षकों के ईडब्ल्यूएस के पात्र अभ्यर्थियों की याचिका पर उनके पक्ष में निर्णय सुनाया है। 12 नवंबर से विभाग नियुक्ति पत्र जारी करना शुरू कर देगा। अभी उच्च माध्यमिक शिक्षक 2023 की भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई थी। आठ हजार 720 पदों पर भर्ती होनी है। यह पद स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग में हैं।

ये है पूरा मामला-स्कूल शिक्षा विभाग ने वर्ष 2018 में उच्च माध्यमिक शिक्षक यानी वर्ग-1 के अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए परीक्षा कराई थी। 29 सितंबर 2022 को नियुक्ति प्रक्रिया को नई भर्ती बताकर ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों की नियुक्ति रोक दी गई। इससे 848 ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं मिल सकी, जबकि इस भर्ती को भी वर्ष 2018 के परीक्षा परिणाम के आधार पर ही की गई थी। इस पर ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों ने उच्च न्यायालय में याचिका लगा दी। इस कारण नई भर्ती पर रोक लगा दी गई। उच्च न्यायालय ने 848 अभ्यर्थियों को 45 दिन में नियुक्ति देने का आदेश दिया है।

पदवृद्धि की भी उम्मीद-स्कूल शिक्षा विभाग अभी उच्च माध्यमिक शिक्षक 2023 भर्ती के लिए पहली काउंसलिंग ही कर रहा है। भर्ती से जुड़े अभ्यर्थी लंबे समय से पदवृद्धि की मांग कर रहे हैं, इसे लेकर विभाग ने विषयवार खाली पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग से परामर्श भी ले लिया है।

बीएड प्रथम वर्ष में अध्ययनरत करीब 300 अभ्यर्थी परेशान-उच्च माध्यमिक शिक्षक 2023 पात्रता और चयन परीक्षा की नियमावली में स्कूल शिक्षा ने एनसीटीई (राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद) के नियमों का पालन नहीं किया। इसमें बीएड के प्रथम वर्ष में प्रवेशित पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं दी जा रही है। भर्ती के समय यह उल्लेख किया गया था कि दस्तावेज सत्यापन या काउंसलिंग के समय डिग्री पूरी होनी चाहिए। पात्र अभ्यर्थी लक्ष्मण सिंह राठौर का कहना है कि अब बीएड कर चुके करीब 300 पात्र अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के बाद नियुक्ति पत्र देने से इंकार कर दिया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ और उत्तराखंड में नियमों में संशोधन करते हुए बीएड प्रथम वर्ष में अध्ययनरत अभ्यर्थियों को वर्ग-1 में नियुक्ति के लिए पात्र माना गया है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना होंगे देश के अगले चीफ जस्टिस, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने की सिफारिश

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने विधि मंत्रालय को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट के दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को अपना उत्तराधिकारी नामित किया है। सीजेआई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे। केंद्र सरकार ने परंपरा के अनुसार पिछले सप्ताह उन्हें पत्र लिखकर अपने उत्तराधिकारी के नाम का अनुरोध किया था।

केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद जस्टिस खन्ना भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश बन जाएंगे। जस्टिस खन्ना का कार्यकाल 6 महीने का होगा। वे 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। जस्टिस खन्ना कई महत्वपूर्ण फैसलों का हिस्सा रहे हैं। जस्टिस खन्ना उस बेंच का हिस्सा थे, जिसने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी थी। जस्टिस खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति मामले से जुड़े ईडी केस में अंतरिम जमानत दी थी। न्यायमूर्ति खन्ना संविधान पीठ का भी हिस्सा रहे हैं, जिसने संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के फैसले को बरकरार रखा। वह 2018 की चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने वाली पीठ का भी हिस्सा थे। न्यायमूर्ति खन्ना ने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकन कराया। उन्होंने शुरुआत में दिल्ली के तीस हजारी परिसर में जिला अदालतों में और बाद में दिल्ली हाईकोर्ट और न्यायाधिकरणों में संवैधानिक कानून, प्रत्यक्ष कराधान, मध्यस्थता, वाणिज्यिक कानून, कंपनी कानून, भूमि कानून, पर्यावरण कानून और चिकित्सा लापरवाही जैसे विविध क्षेत्रों में वकालत की।

संत वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास से मनाई

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संत वाल्मीकि जयंती प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी वाल्मीकि समाज द्वारा बडे धूमधाम से मनाई गई। यह दिन संत वाल्मीकि की शिक्षाओं और उनके योगदान को याद करने का अवसर होता है। इस अवसर पर समाज के लोग विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जैसे कि भजन, कीर्तन, और विचार गोष्ठियाँ। संत वाल्मीकि को भारतीय साहित्य का महान संत माने जाते है और उनकी रचनाएँ आज भी लोगों को प्रेरित करती हैं।

वाल्मीकि समाज ने गांधी चौराहा पर श्याम बाबा हरदेव लाला के मंदिर में एकत्रित होकर आराध्य देव वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की, भजन-कीर्तन किए और संत वाल्मीकि के योगदान को याद किया। कार्यक्रम में समाज के नेताओं ने उनके विचारों और शिक्षाओं पर प्रकाश डाला, जिससे युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिले। इस तरह के आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने का काम करते हैं। वाल्मीकि जयंती के अवसर पर समाज के लोगों ने संत वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पमाला चढ़ाई। तथा सभी ने मिलकर संत के जीवन को याद किया। कार्यक्रम में श्रद्धा और सम्मान के साथ पूजा-अर्चना की गई, जिससे समाज में एकता और भक्ति का भाव बढ़ा। यह अवसर संत वाल्मीकि के योगदान को मनाने का था, जो आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष राजाराम तंवर, समाज के पटेल मुकेश चनाल, नरेश चौधरी, जीवन गोसर, बसंत परमार, विजय परमार, मंगल कोटीयाना, विष्णु मकवाना, चेतन गछेड, सतीश खेरालिया, दिलीप बागडीया, भेरुलाल बांसुरिया, शैलेंद्र डागर आदि समाज जन मौजूद थे।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने चार सेम्पल लिए

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर के निदेशानुसार आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए, खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 17 अक्टूबर गुरूवार को कार्यवाही के दौरान दो संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते चार नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि 17 अक्टूबर गुरूवार को कार्यवाही के दौरान मंदसौर के सभ्यता सुपर बाजार से बेसन, सोयाबीन तेल और महेश सत्यनारायण ट्रेडर्स से मैदा और सुजी के नमुने लियें गयें हैं। सभी खाद्य नमुनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान सभी संस्थानो को अपने यहां साफ सफाई रखने एवं पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

संभाग में आठ बालिकाओं ने जीता गोल्ड मेडल

दलौदा, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविधालय दलोदा की आठ खिलाडियों ने संभाग मे गोल्ड मेडल जीता है। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डा शैलेन्द्र मालीवाड ने जानकारी देते हुए बताया की मंदसौर मे आयोजित संभाग स्तरीय हॉकी महिला प्रतियोगिता मे उज्जैन देवास शाजापुर आगर रतलाम नीमच की टीमो ने भाग लिया जिसमे मंदसौर जिले से खेलते हुए महाविधलाय की बालिका मोनिका दांगी, करिश्मा धाकड, भावना धाकड, कृष्णा सिसोदिया, कल्पना पाटीदार, शिवानी पाटीदार, खुशबू पाटीदार, हेमलता सलितरा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता। वही क्रिडा अधिकारी रजाक मेवा फरोश ने बताया की इसमें चयनित बालिकाए राज्य स्तर पर उज्जैन संभाग का प्रतिनिधित्व करेगी! बालिकाओ की इस सफलता पर कालेज जनभागीदारी अध्यक्ष श्री हेमंत धनोतिया, अग्रणी प्राचार्य डा डी सी गुप्ता एवम समस्त महाविधलाय परिवार ने बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पंजीयन 20 तक कराए

मंदसौर, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंदसौर द्वारा बताया गया कि विपणन वर्ष 2024-25 में सोयाबीन के उपार्जन हेतु ई-उपार्जन पोर्टल पर 20 अक्टूबर 2024 तक पंजीयन करा सकते है। पंजीयन हेतु जिले में उपार्जन समिति द्वारा सहकारी समिति स्तर पर 68 केंद्र बनाये गए है। इसके अतिरिक्त एमपी ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केंद्र तथा निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे के माध्यम से भी पंजीयन करा सकते है। पंजीयन के लिए ई-उपार्जन पोर्टल पर www.mpeuparjan.nic.inपर पंजीयन करा सकते है। पंजीयन के समय आधार कार्ड, खसरा, नकल एवं बैंक पासबुक की प्रति पोर्टल पर अपलोड की जाना अनिवार्य है।

शरद पूर्णिमा पर खीर की प्रसादी बांटी

मेनपुरिया, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मेनपुरीया में बुधवार को शरद पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया । शरद पूर्णिमा पर सुबह से सभी मंदिरों पर फूल मालाओं व विद्युत सजावट की गई। बालाजी मन्दिर , राम जानकी मन्दिर , नृसिंह मंन्दिर , व सभी मंदिरों में शाम को आरती की गई राम भक्तों ने खीर बनाकर खीर का वितरण किया गया । वितरण के दौरान लोगों ने उत्साह के साथ प्रसादी का आनंद लिया।

खरगोन में चल रही थी नशे की खेती, गांजे के 620 पौधे जप्त

खरगोन, 17 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आपेरशन 'प्रहार' के तहत अवैध मादक पदार्थ (गांजे) की खेती करने वालों के खिलाफ पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। जिले के बिस्टान थाना क्षेत्र के रसगांगली सालई कुंडी फालिया में खेत में कपास व तुअर की फसल के बीच नशे की खेती पकड़ी है। यहां किसान ने 620 गांजे के पौधे लगाए थे। इनकी कटाई की तो 14 क्विंटल 26 किलोग्राम जिसकी अनुमानित कीमत 75 लाख से अधिक है। एक आरोपित को गिरफ्तार किया है।

एसपी धर्मराज मीना ने बताया कि 16 अक्टूबर 2024 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि थाना बिस्टान क्षेत्र के ग्राम रसगांगली सालई कुंडी फालिया मे सामीलाल उर्फ श्यामलाल के खेत में कपास व तुअर की फसल के बीच बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजे के पौधे लगाए हैं। मुखबिर की सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया और तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम का गठन किया। पुलिस टीम द्वारा प्लानिंग के तहत सामीलाल उर्फ श्यामलाल के खेत मे घेराबंदी कर दबिश दी गई। सामीलाल उर्फ श्यामलाल से गांजे की खेती करने के संबंध मे दस्तावेज मांगने पर उसने कोई दस्तावेज या वैध लाइसेंस नहीं होना बताया। पुलिस ने सामीलाल उर्फ श्यामलाल के खेत से कुल अवैध गांजे के 620 हरे पौधे कुल वजनी 14 क्विंटल 26 किलो ग्राम को विधिवत जब्त किया। पुलिस टीम ने आरोपी सामीलाल उर्फ श्यामलाल के विरुद्ध थाना बिस्टान पर अपराध क्रमांक 290/24 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है।एसपी ने टीम को 10 हजार रुपये इनाम की घोषणा की है। कार्यवाही में एसडीओपी अनुभाग भीकनगांव राकेश आर्य के मार्गदर्शन व थाना प्रभारी बिस्टान ईलापसिंह मुजल्दे, चौकी प्रभारी जैतपुर उनि सुदर्शन कुमार के नेतृत्व में उनि रामजीलाल डुडवे, उनि सुदामा मोरे, सउनि राजेश दिनकर, सतीशसिंह कुशवाह, मुकेश यादव,विष्णु जमरे, विनायक राजावत, अमित उपाध्याय, अनिल वास्केल, दीपक सोनी आदि शामिल रहे।

पुलिस ने रात में दबिश दी, कटाई में कई घंटे लगे-आरोपित ने शेडो एरिया (नो मोबाइल नेटवर्क झोन) के पहाड़ी क्षेत्र में अवैध गांजे के पौधे लगा रखे थे। यहां आरोपित का घर व खेत तीन ओर से पहाड़ व एक तरफ से तालाब से घिरा है। पौधों को पानी देने के लिए एडवांस ड्रिप वाटर सिस्टम को लगाया हुआ था। गांजे के पौधों की जड़ो के आसपास सफेद यूरिया खाद भी डाली हुई थी। पौधों को उखाड़ने में कई पुलिसकर्मियों को कई घंटों तक कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

✻ पूजारी चाहिए ✻

श्री हरिहर धाम

वेदांत विहार, लक्ष्मी नगर, अभिनंदन रोड, मंदसौर मंदिर में विराजित दिव्य प्रतिमाओं के पूजन और आरती के लिए पूजारी की आवश्यकता है।

✻✻ संपर्क समय✻✻

दोपहर 2 बजे से शाम 06 बजे तक

मो. 9424033322, 9425105927

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि डाक्यूमेंट्स में मेरा नाम AZAJ MOHAMMUD S/o. IBRAHIM KHAN MANSOORI दर्ज था, अब मेरा परिवर्तित नाम AJAJ MOHAMMAD MANSURI S/o. IBRAAHIM KHAA है, अब मुझे इस नाम से जाना-पहचाना जावे ।

AJAJ MOHAMMAD MANSURI
S/o. IBRAAHIM KHAA
Add. Ward No. 9, Meinn Road,
SHAMGARH, Distt.-Mandsaur (M.P.)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि डाक्यूमेंट्स में मेरा नाम MUMTAJ BI W/o. AJAJ MOHAMMAD दर्ज था, अब मेरा परिवर्तित नाम MUMTAJ BEE MANSURI W/o. AJAZ है, अब मुझे इस नाम से जाना-पहचाना जावे ।

MUMTAJ BEE MANSURI
W/o. AJAZ
Makan. No. 41, Ward No. 9,
Main Road, SHAMGARH,
Distt.-Mandsaur (M.P.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in